सब की खबर
साप्ताहिक
जनगाथा टाइम्स

■ वर्ष: 05 ■ सोमवार 02 फरवरी से 08 फरवरी 2026 ■ पृष्ठ: 08 ■ मोबाइल: 98140-07163 ■ email:jangathatimes@gmail.com ■ www.jangathatimes.com ■ RNI O.PUNMUL/2017/75353

विचार

दोस्ती और विरोध दोनों अस्थायी होते हैं, लेकिन इज्जत हमेशा के लिए रहती है। आइए समाज में ऐसे संस्कार विकसित करें जहाँ हर कोई, परिस्थितियों से परे, एक-दूसरे के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार करे।

- राज सुखदेव

न्यूज विंडो

पंजाब में बारिश का अलर्ट: अगले तीन दिन छाएगा घना कोहरा, आज हो सकती है हल्की बरसात

पटियाला

पंजाब में घने कोहरे से अभी निजात नहीं मिलेगी। मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों के लिए पंजाब के कुछ हिस्सों में घने कोहरे का येलो अलर्ट जारी किया है। साथ ही, आज भी हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई गई है।

रविवार को पंजाब में बारिश के साथ घने कोहरे ने आम जनजीवन को प्रभावित किया। अमृतसर में दृश्यता पूरी तरह शून्य रही, जबकि पटियाला में 10 मीटर और बठिंडा में 50 मीटर से भी कम दृश्यता दर्ज की गई। बारिश के चलते पटियाला में 1.5 एमएम, पठानकोट में 1.0 एमएम और रूपनगर में 1.5 एमएम पानी बरसा।

ठंड में वृद्धि, अमृतसर सबसे ठंडा

पंजाब में न्यूनतम तापमान में 2.5 डिग्री की वृद्धि हुई है, जो अब 8 डिग्री के करीब पहुंच चुका है। अमृतसर, जहां तापमान 5.9 डिग्री तक गिरा, सबसे ठंडा रहा। इस दौरान, फरीदकोट में 22.8 डिग्री के साथ उच्चतम तापमान रिकॉर्ड किया गया। लुधियाना का न्यूनतम तापमान 7.6 डिग्री, पटियाला का 10.2 डिग्री, और बठिंडा का 8.2 डिग्री रहा।

आगे का पूर्वानुमान

मौसम विभाग के अनुसार, पंजाब में अगले तीन दिन घने कोहरे के साथ बारिश का सिलसिला जारी रहेगा। इसके चलते यातायात प्रभावित हो सकता है और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी बढ़ सकती हैं।

बजट 2026: हर जिले में बनेगा गर्ल हॉस्टल, पंजाब में बन रहे पांच, उट मान बोले- उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा बजट

चंडीगढ़

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को केंद्रीय बजट पेश किया, जिसमें घर से दूर शिक्षा प्राप्त कर रही छात्राओं के लिए बड़ा एलान किया गया है। उन्होंने घोषणा की है कि उच्च शिक्षा के विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित से जुड़े संस्थानों में लंबे समय तक अध्ययन और प्रयोगशाला कार्य लड़कियों के लिए कुछ चुनौतियां पैदा करते हैं। पूंजी सहायता के माध्यम से प्रत्येक जिले में 1 लड़कियों का हॉस्टल स्थापित किया जाएगा। पंजाब को इससे काफी फायदा होगा क्योंकि प्रदेश में बड़ी संख्या में लड़कियां घर से दूर विज्ञान, प्रौद्योगिकी और इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रही हैं। इससे पहले पंजाब सरकार प्रदेश में मोहाली, जालंधर और अमृतसर में लगभग 150 करोड़ रुपये की लागत से 5 कामकाजी महिला हॉस्टल बनाने पर काम कर रही है, जिनका निर्माण दिसंबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य है। यह कदम उन हजारों महिलाओं के लिए वरदान साबित होगा जो बेहतर करियर की तलाश में अपने घरों से दूर शहरों में काम करती है।

नए हॉस्टलों में आधुनिक सुविधाओं का खास ख्याल रखा जाएगा। इनमें 24 घंटे सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरे, वाई-फाई, जिम, लाइब्रेरी, कॉमन रूम और मेडिकल सुविधाएं उपलब्ध होंगी। हर हॉस्टल में 150 से 200 महिलाओं के रहने की व्यवस्था होगी जिससे करीब 800 से 1000 महिलाओं को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा।

पंजाबियों से सौतेला व्यवहार- मान

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा केंद्र सरकार का बजट एक बार फिर पंजाब की उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा। इस बजट में ना किसानों के लिए एमएसपी पर कोई ठोस घोषणा की गई और ना ही युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों या उद्योग एवं टैक्स में किसी तरह की राहत दी गई। पंजाब की आर्थिक मजबूती के लिए इस बजट में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। हर बार की तरह इस बार भी पंजाब और पंजाबियों के साथ सौतेला व्यवहार किया गया। पंजाब के लोग मेहनती और उत्साही हैं। हम सब मिलकर पंजाब को दोबारा मजबूती से अपने पैरों पर खड़ा करके ही रहेंगे।

जिलों अस्पतालों में आपातकालीन और ट्रामा केयर सेंटर सेवाएं होगी मजबूत

इसके साथ ही बजट में जिला अस्पतालों में आपातकालीन और ट्रामा केयर सेंटर स्थापित करके इन क्षमताओं को 50% तक मजबूत मजबूत करने और बढ़ाने का फैसला लिया गया है। प्रदेश में 21 जिला अस्पताल है जिससे इन सभी अस्पतालों में आपातकालीन सेवाओं में विस्तार किया जाएगा। साथ ही सब डिविजनल अस्पतालों को भी स्वास्थ्य विभाग की तरफ से अपग्रेड किया जा रहा है।

कैंसर की दवाओं के रेट होंगे कम

केंद्र ने बजट में कैंसर पीड़ितों को विशेष रूप से राहत प्रदान करने के लिए 17 दवाओं पर मूल कस्टम शुल्क से छूट देने का फैसला लिया है। पंजाब में मालवा बेल्ट कैंसर से बुरी तरह से प्रभावित है। इससे कैंसर मरीजों पर इलाज का बड़ा बोझ कम होगा क्योंकि कैंसर का इलाज काफी महंगा है।

पंजाब के कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां ने कहा कि पंजाब देश के अन्न भंडार को भरता है, फिर भी केंद्रीय बजट हमारे किसानों को खाली हाथ छोड़ देता है। गेहूं और चावल के अलावा एमएसपी के लिए कोई रोडमैप नहीं, कोई डायवर्सिफिकेशन पैकेज नहीं, और बाढ़ प्रभावित किसानों के लिए कोई पैसा नहीं। केंद्र सरकार ने एक बार फिर अन्नदाताओं से मुंह मोड़ लिया है।

वित्त मंत्री ने एक बार भी बजट भाषण में पंजाब का जिक्र नहीं किया

पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह वड़िंग ने कहा -मोदी सरकार के करीब 12 वर्षों में पंजाब को कभी भी उसका हक नहीं मिला और इस बार भी ऐसा ही हुआ। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण में पंजाब का एक बार भी जिक्र नहीं किया। प्रधानमंत्री आज संत गुरु रविदास जी की 649वीं जयंती मनाने के लिए पंजाब आए हैं, लेकिन इस मौके को मनाने के लिए कोई बजट आवंटन नहीं किया गया है। भाजपा सरकार कम से कम इतना तो कर सकती थी कि वे हमें गुरु रविदास जी के नाम पर एक इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी दे देते।

केंद्रीय बजट देश को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प की सिद्धि का मील का पत्थर- सुनील जाखड़

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने कहा है कि केंद्रीय

(शेष पेज 3 पर)

'मैं पंजाब दी धरती नूं नमन करदा हां', डेरा सच्चखंड बल्लां में नतमस्तक हुए पीएम मोदी, आदमपुर एयरपोर्ट को दिया नया नाम

जालंधर- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पंजाब के जालंधर में संत रविदास जी की 649वीं जयंती समारोह में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज माघ पूर्णिमा की पवित्र तिथि है। श्री गुरु रविदास जी की 649वीं जयंती का पावन अवसर है। इस पुण्य पर्व पर आज मुझे आप सभी के बीच आने का सौभाग्य मिला है। मैं इस पवित्र मंच से श्री गुरु रविदास जी को प्रणाम करता हूं और आप सभी को और सभी देशवासियों को संत रविदास जयंती और माघ पूर्णिमा की शुभकामनाएं देता हूं।

उन्होंने कहा कि आप सभी जानते हैं कि मेरा रिश्ता श्री गुरु रविदास जी की जन्मभूमि काशी से है। काशी के लोगों ने मुझे आशीर्वाद दिए, और सांसद के रूप में काशी की सेवा करने का भी मुझे सौभाग्य मिला। मैं जब भी सीर गोवर्धनपुर जाता हूं, बड़ी संख्या में मुझे पंजाब के भाई-बहनों से मिलने का भी सौभाग्य मिलता है। मैं इस बार संत रविदास जी की प्रेरणा भूमि, पंजाब की वीर भूमि पर आया हूं। मैं मानता हूं कि ये श्री गुरु रविदास जी की इच्छा है और मेरा बहुत सौभाग्य है। मैं इस आयोजन में निमंत्रित करने के लिए डेरा सचखंड बल्ला का आभार व्यक्त करता हूं।

उन्होंने कहा कि समाज सेवा के क्षेत्र में डेरा सचखंड बल्लां के कार्य बहुत सराहनीय रहे हैं। शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़े अनेक कार्य पूज्य संत श्री निरंजन दास जी महाराज के मार्गदर्शन में अविरत हो रहे हैं। उनके नेतृत्व में दुनिया के कई देशों में श्री गुरु रविदास जी के विचारों का प्रसार भी हुआ है। इस योगदान को सम्मान देने के लिए अभी हाल ही में हमारी भाजपा की केंद्र सरकार ने पूज्य संत श्री निरंजन दास जी महाराज को पद्म पुरस्कार से सम्मानित किया है। इस अवसर पर मैं उन्हें आदरपूर्वक नमन करता हूं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि संत रविदास जी ने हमें सेवा का जो मार्ग दिखाया है उस प्रेरणा को इससे और ऊर्जा मिली है। मैं इस

स्नेह के लिए आप सभी का हृदय से बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं। अबसे थोड़ी देर पहले संत रविदास जी के नाम पर आदमपुर एयरपोर्ट का नया नामकरण हुआ है। आदमपुर एयरपोर्ट को अब श्री गुरु रविदास महाराज जी एयरपोर्ट के नाम से जाना जाएगा। इसके अलावा, हलवारा एयरपोर्ट की नई टर्मिनल बिल्डिंग का उद्घाटन हुआ है।

उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि संत रविदास जी के आशीर्वाद से हम विकसित भारत के लक्ष्य को जरूर पाकर रहेंगे। आज सुबह ही संसद में देश का बजट प्रस्तुत किया गया है। ये बजट गरीब, अन्नदाता, युवाशक्ति और नारीशक्ति को और सशक्त करने वाला बजट है। ये बजट गांव को मजबूत करने का बजट है। ये किसान की आय बढ़ाने वाला बजट है। ये आत्मनिर्भर भारत को और मेक इन इंडिया को बढ़ावा देने वाला बजट है।

उन्होंने कहा कि पिछले 11 सालों में बहुत सारी दवाएं सस्ती की गई हैं। गरीबों और बुजुर्गों को मुफ्त इलाज की सुविधाएं दी गई हैं। इस बजट में इसी संवेदनशीलता के साथ और महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। कैंसर के इलाज को और सस्ता करने के लिए अनेक कैंसर दवाओं को और सस्ता किया गया है। उन्होंने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था में नई ऊर्जा भरने वाला एक और ऐतिहासिक काम हुआ है। भारत और यूरोपीय यूनियन के बीच ट्रेड डील पर सहमति बनी है। आज पूरी दुनिया में हर तरफ इसकी बड़ी चर्चा है। इस ट्रेड डील के बाद यूरोप के 27 देशों के साथ हमारा व्यापार खूब फलेगा-फूलेगा। उन्होंने कहा कि पंजाब को स्किल्ड युवाओं के लिए जाना जाता है। ट्रेड डील से हमारे पंजाब के भाईयों-बहनों को बहुत फायदा होने वाला है। यहां जालंधर, लुधियाना और अमृतसर में कपड़ा उद्योग से लाखों लोग जुड़े हैं। अब पंजाब के टेक्सटाइल सेक्टर को नए और बड़े बाजार मिलेंगे।

ढोंगी बाबा की हो गई मौज; गांव वासियों का 14 लाख लेकर रफूचक्कर, लोग समझते रहे चमत्कारी

मानसा

मानसा जिले के गांव सिरसीवाला में श्रद्धा की आड़ में कथित ढोंगी बाबा श्रद्धालुओं के 14 लाख रुपये लेकर भाग निकला। पहले आरोपी ने कड़ाके की ठंड में डेढ़ महीने तक जलधारा कर लोगों का भरोसा जीता। बाद में श्रद्धा व पुण्य सेवा के नाम पर ऑनलाइन व नकदी रूप में श्रद्धालुओं से 14 लाख रुपये ले लिए। एक धार्मिक स्थान की यात्रा दौरान आरोपी लोगों को चकमा देकर भाग निकला। बाबा की ठगी का शिकार हुए लोगों ने पुलिस को शिकायत की दी है। थाना बरेटा पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी की पहचान प्रेमनाथ के के रूप में हुई है। लोगों ने बाबा के शार्गिदों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया है जिनसे पुलिस पूछताछ कर रही है।

रूपिंद्र सिंह ने बताया कि करीब डेढ़ माह पहले बाबा प्रेमनाथ ने अपने शार्गिदों के साथ गांव आकर डेरा लगाया और जलधारा शुरू की। जलधारा के दौरान गांव वालों को लगा बाबा चमत्कारी है। लोगों की भीड़ जुड़ने लगी तो बाबा ने प्रचार किया गया कि जलधारा करवाने से गांव में सुख-शांति व खुशहाली आएगी। पहले भी उसने कई गांवों में जाकर ऐसी तपस्या

की है जहां खुशहाली ही खुशहाली है। गांव के लोग बाबा बातों से प्रभावित हो गए और धीरे-धीरे गांववासियों ने बाबा को दान दक्षिणा व पुण्य दान के रूप में रुपये देने शुरू कर दिए। गांव की खुशहाली के लिए बाबा को पैसे इकट्ठे करके दिए। चढ़ावे को लेकर बाबे पर लोगों को शक न हो इसलिए वह कुछ पैसे अपने चेले के खाते में डलवाता और कैश खुद रख लेता। बाबा लोगों को कहता था कि जो मन से दान करेगा उनके सारे दुख दर्द दूर हो जाएंगे। इस पर लोगों ने दिल खोलकर दान दिया। इससे बाबा के पास 14 लाख रुपये इकट्ठे हो गए।

लोगों ने बताया कि बाबा प्रेमनाथ ने नैना देवी जाने की इच्छा जताई। गांव के कुछ लोग बाबा को अपनी गाड़ी में लेकर साथ गए और वापसी समय पटियाला के एक ढाबे पर रोटी खाने के लिए रुके। इस दौरान बाबा लोगों को चकमा देकर भाग निकला। इस पर लोगों को अपने साथ हुई ठगी का पता लगा। गांव वालों ने बाबा के शार्गिद अजय कुमार उर्फ सोनू व अमनदीप उर्फ पंडित निवासी निरवाना को पुलिस के हवाले कर दिया। लोगों ने पुलिस से बाबा की गिरफ्तारी की भी मांग की है। थाना बरेटा की पुलिस ने बाबा प्रेमनाथ खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस द्वारा कुछ बैंक खातों की भी जांच की जा रही है।

खन्ना में NRI महिला का मर्डर: कुछ दिन पहले ही विदेश से लौटी थी जगपाल कौर, कमरे में मिली लाश

खन्ना

खन्ना में एक एनआरआई महिला की बेरहमी से हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि महिला कुछ समय पहले ही विदेश से खन्ना पहुंची थी। वारदात की सूचना मिलते ही इलाके में दहशत फैल गई। मृतका की पहचान जगपाल कौर (82) के तौर पर हुई है। महिला की लाश घर पर ही मिली है। सूचना मिलते ही एसएसपी खन्ना दर्पण अहलूवालिया अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचीं और जांच शुरू करवाई। महिला पुलिस की फोरेंसिक टीम (फोरेंसिक/एफएसएल) भी घटनास्थल पर पहुंचकर सबूत जुटाने में लगी हुई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि हत्या की जांच जारी है और फिलहाल किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया कि अभी तक हत्या के कारणों को

लेकर कुछ भी आधिकारिक तौर पर नहीं कहा जा सकता।

त्रों के हवाले से यह चर्चा जरूर रही कि संभवतः कुछ लोग चोरी के इरादे से घर में दाखिल हुए और वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए, लेकिन पुलिस ने इस पर कोई पुष्टि नहीं की है। फिलहाल पुलिस हर एंगल से मामले की जांच कर रही है और आरोपियों की तलाश जारी है। आसपास के सीसीटीवी कैमरे भी खंगाले जा रहे हैं ताकि आरोपियों तक जल्द पहुंचा जा सके।

महिला की हत्या किस हथियार से की गई है। पुलिस अभी कुछ बात नहीं रही है महिला का शव घर के अंदर कमरे में पड़ा था। पुलिस का कहना है कि पूरी छानबीन के बाद जानकारी साझा की जाएगी।

स्थानीय पार्षद सुखदेव मिड्ढा ने बताया कि एनआरआई महिला पिछले दो-तीन महीने से यहां रह रही थी। महिला के बच्चे कनाडा रहते हैं। उन्हें सुबह पता चला कि बुजुर्ग महिला कत्ल हो गया। इसके बाद पुलिस को सूचित किया गया। खन्ना के एसपी डी पवनजीत का कहना है कि घर पर चोरी जैसी कोई बात नहीं लग रही है। फिर भी हम छानबीन कर रहे हैं। जांच के बाद सबकुछ साफ हो जाएगा कि कत्ल की असल वजह क्या है।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक, राजेंद्र कुमार के द्वारा न्यू दशमेश प्रिंटसर्ज 178-179, रंजीत नगर, जालंधर, पंजा से छपवाकर जनगाथा कार्यालय शंकर नगर नजदीर रेलवे स्टेशन होशियारपुर से प्रकाशित किया। सम्पादक राजेंद्र कुमार

आम आलू से कही गुणा फायदेमंद है बैंगनी आलू, दिल और शुगर मरीजों के लिए तो वरदान

आलू लगभग आपको हर रसोई में मिलेंगे। हर सब्जी के साथ इसे मिक्स कर दिया जाता है लेकिन अभी तक आपने सफेद आलू ही खाए होंगे लेकिन आपको बता दें कि मार्कीट मे बैंगनी आलू भी है। नाम सुनकर ही आपको इस रंग के आलू को लेकर उत्सुकता हुई होगी तो बता दें कि रंग के साथ ये काफी सेहतमंद भी माने जाते हैं। बैंगनी आलू सिर्फ देखने में खूबसूरत नहीं, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी बेहद फायदेमंद है। इसमें आम आलू की तुलना में ज्यादा एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन और मिनरल पाए जाते हैं।

बैंगनी आलू क्या हैं?

बैंगनी आलू सामान्य आलू की तरह ही होते हैं लेकिन इनके छिलके और अंदर का रंग बैंगनी होता है। इसका रंग एंथोसाइनिन नामक एंटीऑक्सीडेंट से आता है जो एंटी-एजिंग और एंटी-ऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर होता है। ये स्वाद में हल्के मीठे और सामान्य आलू से थोड़ा नर्म होते हैं। चलिए इस आलू में पाए जाने वाले गुण बताते हैं।

1. एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर

बैंगनी आलू में एंथोसाइनिन नामक एंटीऑक्सीडेंट होता है, जो शरीर में फ्री-रेडिकल्स को कम करता है और उम्र बढ़ने के प्रभाव को धीमा करता है।

2. दिल की सेहत के लिए अच्छा

इसमें पोटैशियम और फाइबर होने से ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहता है और हार्ट डिज़ीज़ का खतरा कम होता है।

3. वजन नियंत्रित करने में मददगार

बैंगनी आलू में फाइबर अधिक होता है, जिससे पेट लंबे समय तक भरा रहता है और ओवरईटिंग कम होती है।

4. ब्लड शुगर नियंत्रित रखता है

इसके ग्लाइसेमिक इंडेक्स आम आलू की तुलना में कम होता है, जिससे यह ब्लड शुगर को अचानक बढ़ने से रोकता है।

5. मस्तिष्क और आंखों के लिए फायदेमंद

बैंगनी रंग के पिगमेंट मस्तिष्क और आंखों की कोशिकाओं को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं।

कैसे बनाकर खाना बेस्ट?

बैंगनी आलू को तलकर खाने की बजाय उबालकर या बेक करके खाना ज्यादा हेल्दी है। ज्यादा तेल और मसाले में पकाने से इसके स्वास्थ्य लाभ कम हो सकते हैं इसलिए इसे उबालकर, बेक करके या हल्का स्टीम करके खाना सबसे हेल्दी है। इन्हें सलाद, सूप, हल्की सब्ज़ी या स्मूदी में भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

बैंगनी आलू कहां मिलते हैं?

सुपरमार्केट्स : बड़े शहरों के हाई-एंड सुपरमार्केट्स में मिलते हैं।

ऑर्गेनिक स्टोर : ऑर्गेनिक और हेल्थ-फूड स्टोर में अक्सर उपलब्ध रहते हैं।

ऑनलाइन : अमेज़न, बिगबास्केट, नेचरज़ बास्केट जैसे ई-कॉमर्स साइट्स पर ऑर्डर कर सकते हैं।

स्थानीय किसान बाज़ार : कुछ क्षेत्रों में किसान सीधे बेचते हैं।

कौन लोग बैंगनी आलू खा सकते हैं?

दिल की समस्या वाले : पोटैशियम और फाइबर से हृदय स्वस्थ रहता है।

डायबिटीज़ पेशेंट्स : ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होने से ब्लड शुगर नियंत्रित रहता है।

वजन कम करना चाहते हैं : फाइबर पेट को लंबे समय तक भरा रखता है।

एंटी-ऑक्सीडेंट लाभ चाहते हैं : उम्र बढ़ने के प्रभाव और फ्री-रेडिकल्स से लड़ता है।

आंख और दिमाग के लिए हेल्दी : एंथोसाइनिन मस्तिष्क और आंखों के लिए फायदेमंद।

कौन लोग बैंगनी आलू ना खाएं

किडनी रोग वाले : इसमें पोटैशियम अधिक होता है, जिससे किडनी पर असर पड़ सकता है।

एसिडिटी या गैस की समस्या वाले : ज्यादा खाने पर पेट में गैस या भारीपन हो सकता है।

अत्यधिक वजन वाले लोग : यदि तेल में तला हुआ आलू खाएं तो कैलोरी बढ़ जाती है।

बजट 2026: हर जिले में बनेगा गर्ल हॉस्टल

बजट गरीबों, मजदूरों, किसानों, महिलाओं, युवाओं और पिछड़े वर्गों पर केंद्रित है, जो 2047 तक देश को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प की सिद्धि का मील का पत्थर साबित होगा।

बजट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए सुनील जाखड़ ने कहा कि यह बजट ह्लसबका साथ, सबका विकासह्व की प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की नीति से प्रेरित है। इसमें केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने समाज के हर वर्ग का ध्यान रखते हुए यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया है कि इससे रोजगार के नए अवसर पैदा हों और देश में बुनियादी ढांचे का विकास हो। देश में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए बड़े बजट का प्रस्ताव इस बात का प्रमाण है कि भारत सरकार देश को विकसित राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि इस बजट में जहां महिलाओं के लिए ह्लशी मार्टह्व योजना लाई जा रही है, वहीं कामकाजी महिलाओं और छात्राओं के लिए प्रत्येक जिले में छात्रावास खोलने की योजना की घोषणा भी की गई है, जो महिला सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि स्पोर्ट्स इंडस्ट्री और एमएसएमई के लिए भारत सरकार द्वारा नए बजट में किए गए घोषणाओं से पंजाब के उद्योग को बड़े स्तर पर लाभ होगा। सहकारी संघवाद की नीति के तहत 16वें वित्त आयोग की सिफारिशों के अनुसार राज्यों को विकास के लिए 1.4 लाख करोड़ रुपये देने की घोषणा की गई है, जिससे पूरे देश में सर्वांगीण विकास होगा।

केंद्रीय बजट ने पंजाब के किसानों को नजरअंदाज किया

पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा केंद्रीय बजट ने एक बार फिर पंजाब के किसानों को नजरअंदाज किया है। एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड में कोई बढ़ोतरी नहीं, मंडी इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए कोई सपोर्ट नहीं - राज्यों को अपने हाल पर छोड़ दिया गया है। ज्यादा कीमत वाली फसलों का ज़िक्र किया गया है, लेकिन सिर्फ नारियल, काजू, चंदन और मेवे। उत्तर भारतीय किसानों के लिए कुछ नहीं।

शिरोमणि अकाली दल के उपाध्यक्ष डॉ. दलजीत सिंह चीमा ने कहा केंद्रीय बजट एक गहरी केंद्रीकरण वाली सोच और पंजाब की लगातार उपेक्षा को दिखाता है। एमएसपी के लिए कोई कानूनी या वित्तीय रोडमैप नहीं, खेती की बढ़ती लागत से कोई राहत नहीं, और कोई कर्ज पुनर्गठन नहीं - इसके बावजूद कि पंजाब के किसान राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं।

पंजाब को बचाने के लिए कोई विशेष पैकेज नहीं दिया गया है, जो भारी कर्ज में डूबा हुआ है और वित्तीय आपातकाल की स्थिति में पहुंच गया है। संघवाद कमजोर हो रहा है क्योंकि राजस्व में राज्यों का हिस्सा स्थिर बना हुआ है, जबकि केंद्र प्रायोजित योजनाएँ राज्यों की प्राथमिकताओं और स्वायत्तता को कमजोर करती हैं। दलितों के कल्याण पर चुप्पी भी उतनी ही चिंताजनक है भूमिहीन दलित खेतिहर मजदूरों के लिए कोई लक्षित उपाय नहीं, पंजाब में शिक्षा, कौशल विकास या सामाजिक गतिशीलता के लिए कोई विशेष आवंटन नहीं, जहाँ दलितों की आबादी काफी ज्यादा है।

आम आदमी को कोई वास्तविक टैक्स राहत नहीं मिलती, महंगाई का दबाव जारी है, और युवाओं की बेरोजगारी पर कोई ध्यान नहीं दिया गया है। पंजाब भारत को खाना खिलाता है, उसकी सीमाओं की रक्षा करता है लेकिन यह बजट न तो राज्यों के साथ और न ही समाज के हाशिये पर पड़े वर्गों के साथ न्याय करता है।

श्री गुरु रविदास जी महाराज के प्रकाश पर्व पर प्रदेश स्तरीय समागम- डिप्टी स्पीकर जय कृष्ण सिंह रौढ़ी व डिप्टी कमिश्नर आशिका जैन ने तैयारियों का लिया जायजा

तैयारियों की समीक्षा को लेकर उच्च स्तरीय बैठक आयोजित

जनगाथा न्यूज/गढ़शंकर/होशियारपुर
हैप्पी कलेर

श्री गुरु रविदास जी महाराज के प्रकाश पर्व के अवसर पर 4 से 6 फरवरी तक श्री खुरालगढ़ साहिब, गढ़शंकर में आयोजित होने वाले प्रदेश स्तरीय समागम की तैयारियों को लेकर आज डिप्टी स्पीकर पंजाब विधानसभा जय कृष्ण सिंह रौढ़ी तथा डिप्टी कमिश्नर होशियारपुर आशिका जैन ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक कर व्यवस्थाओं का विस्तृत जायजा लिया। इस अवसर पर डायरेक्टर पर्यटन विभाग संजीव तिवाड़ी भी विशेष तौर पर उपस्थित रहे। बैठक के दौरान कार्यक्रम की रूपरेखा, श्रद्धालुओं की सुविधाओं, सुरक्षा प्रबंधों तथा समन्वय व्यवस्था पर विस्तार से चर्चा की गई। डिप्टी कमिश्नर आशिका जैन ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी आवश्यक प्रबंध समयबद्ध ढंग से पूरे किए जाएं। उन्होंने साफ-सफाई, पेयजल, बिजली आपूर्ति, शौचालय, स्वास्थ्य सेवाएं, यातायात व्यवस्था और पार्किंग की सुचारु व्यवस्था सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर उन्होंने कहा कि भीड़ प्रबंधन के लिए पुख्ता इंतजाम किए जाएं तथा संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जाए। इसके साथ ही सीसीटीवी कैमरे, बैरिकेडिंग, मेडिकल कैंप और एंबुलेंस सेवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

डिप्टी स्पीकर जय कृष्ण सिंह रौढ़ी ने कहा कि श्री गुरु रविदास जी महाराज का जीवन और उनकी शिक्षाएं समाज को समानता, भाईचारे, प्रेम और मानव कल्याण का संदेश देती हैं। उन्होंने कहा कि खुरालगढ़ साहिब में आयोजित होने वाला यह प्रदेश स्तरीय समागम सामाजिक समरसता को और मजबूत करने का सशक्त माध्यम बनेगा। डिप्टी स्पीकर ने सभी विभागों से आपसी समन्वय, प्रतिबद्धता और संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए कार्यक्रम को शांतिपूर्ण, सुव्यवस्थित और ऐतिहासिक बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा उन्हें बेहतर से बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। इसके लिए सभी आवश्यक प्रबंध समय रहते पूर्ण किए जाएं ताकि यह आयोजन प्रशासनिक दक्षता और सामाजिक सौहार्द का उत्कृष्ट उदाहरण बन सके।

बैठक में अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (विकास) निकास कुमार, कमिश्नर नगर निगम ज्योति बाला, एसडीएम मुकेरियां ओएशी मंडल, एसडीएम होशियारपुर गुरसिमरनजीत कौर, एसडीएम गढ़शंकर संजीव कुमार, एसडीएम दसूहा कंवलजीत सिंह, आरटीओ अमनदीप कौर, एसपी नवनीत कौर सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

2500 रुपये खर्च कर तोड़ी 20 साल पुरानी तिजोरी, अंदर का नजारा देख सिर पीटने लगे अधिकारी

जोधपुर : राजस्थान के जोधपुर नगर निगम में शुक्रवार को एक ऐसा वाकया हुआ जिसे सुनकर हर कोई अपनी हंसी नहीं रोक पा रहा है। यहां प्रशासन ने एक रहस्यमयी तिजोरी को खोलने के लिए भारी मशक्कत की, मैकेनिक बुलाए और हजारों रुपये खर्च कर दिए। सबको उम्मीद थी कि अंदर कोई खजाना या अहम दस्तावेज होंगे, लेकिन जब दरवाजा खुला तो ढाखोदा पहाड़ निकली चुहियाह वाली कहावत सच साबित हुई। तिजोरी के अंदर से महज एक रुपये का सिक्का निकला।

20 साल से बंद थी रहस्यमयी तिजोरी

निगम के पुराने कार्यालय में इन दिनों सफाई और पुराने रिकॉर्ड के सत्यापन का काम चल रहा है। इसी दौरान अधिकारियों की नजर कोने में पड़ी एक धूल खा रही भारी-भरकम तिजोरी पर पड़ी। रिकॉर्ड खंगालने पर पता चला कि यह तिजोरी साल 2005 के आसपास यहां लाई गई थी, लेकिन समय के साथ इसकी चाबियां गुम हो गई और पिछले दो दशकों से यह एक रहस्य बनी हुई थी। अधिकारियों को लगा कि शायद

इसमें पुराने जमाने की बेशकीमती फाइलें, जमीन के पट्टे या हो सकता है कुछ नकदी सुरक्षित रखी हो। इसी जिज्ञासा में इसे तत्काल खोलने का फैसला लिया गया।

ताला तोड़ने में खर्च हो गए 2500 रुपये

तिजोरी इतनी पुरानी और मजबूत थी कि इसे आसानी से खोलना मुमकिन नहीं था। इसके लिए बाहर से एक विशेषज्ञ कारीगर को बुलाया गया। घंटों की मशक्कत और विशेष उपकरणों के इस्तेमाल के बाद तिजोरी का लॉक तोड़ा जा सका। इस पूरी कवायद में निगम को कारीगर की फीस और अन्य खर्च मिलाकर करीब 2,500 रुपये चुकाने पड़े। अधिकारियों और कर्मचारियों की सांसें थमी हुई थीं और वे पलकें बिछाए इंतजार कर रहे थे कि अब भीतर से क्या निकलेगा।

दरवाजा खुला तो उड़ गए होश

काफी जद्दोजहद के बाद जैसे ही तिजोरी का भारी-भरकम दरवाजा खुला, वहां मौजूद अधिकारियों और कर्मचारियों की आंखें फटी की फटी रह गईं। अंदर न तो सोने-चांदी के सिक्के थे और न ही कोई खुफिया दस्तावेज। तिजोरी के गहरे अंधेरे में पड़ा था सिर्फ 1982 का एक रुपये का सिक्का। यह नजारा देखते ही वहां सन्नाटा खिंच गया और फिर ठहाके गूंजने लगे। जिस तिजोरी को खोलने के लिए ढाई हजार रुपये स्वाहा कर दिए गए, उसकी कुल जमा पूंजी सिर्फ एक रुपया निकली।

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ ह्रासबसे महंगा एक रुपया

अब यह मामला पूरे शहर और सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है। निगम के गलियारों में मजाक चल पड़ा है कि प्रशासन ने एक रुपये की सुरक्षा के लिए 20 साल तक पहरेदारी की। लोग सोशल मीडिया पर चुटकी लेते हुए कह रहे हैं कि यह जोधपुर नगर निगम के इतिहास का ह्रासबसे महंगा एक रुपयाह है, जिसकी कीमत जानने के लिए 2500 रुपये खर्च करने पड़े।

विकसित भारत के संकल्प को मजबूती देता जनहितैषी केंद्रीय बजट

जनगाथा न्यूज/होशियारपुर
रविंदर

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा संसद में पेश किया गया केंद्रीय बजट देश को विकसित भारत की दिशा में तेजी से आगे ले जाने वाला दूरदर्शी और जनकल्याणकारी दस्तावेज है। बजट का भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं ने मंडल स्तर पर एकत्र होकर लाइव प्रसारण देखा। इसी क्रम में पूर्वी मंडल अध्यक्ष प्रेम बजाज के नेतृत्व में जिला भाजपा कार्यालय में विशेष आयोजन किया गया, जिसमें भाजपा जिला अध्यक्ष निपुण शर्मा और पूर्व सांसद अविनाश राय खन्ना उपस्थित रहे। पूर्व सांसद अविनाश राय खन्ना ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रस्तुत यह बजट गरीब, किसान, युवा, महिला और मध्यम वर्ग–सभी वर्गों की आकांक्षाओं को पूरा करने वाला है। उन्होंने इसे देश की अर्थव्यवस्था को नई गति देने वाला ऐतिहासिक बजट बताया।

भाजपा जिला अध्यक्ष निपुण शर्मा ने कहा कि बजट में बुनियादी ढांचे के लिए लगभग 11 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान कर सरकार ने यह साफ कर दिया है कि रोजगार सृजन और आर्थिक विकास उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। रेलवे, सड़क, हाईवे और शहरी विकास में रिकॉर्ड निवेश से देशभर में लाखों नए रोजगार अवसर पैदा होंगे। कृषि और ग्रामीण विकास के लिए किए गए प्रावधान किसानों की आय बढ़ाने और गांवों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बड़ा कदम हैं। उन्होंने कहा कि मध्यम वर्ग को कर राहत, युवाओं के लिए कौशल विकास व स्टार्टअप को बढ़ावा, महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों को आर्थिक सहयोग तथा स्वास्थ्य और शिक्षा बजट में बढ़ोतरी यह दर्शाती है कि यह बजट पूरी तरह जनहित को समर्पित है। डिजिटल इंडिया, आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया जैसे अभियानों को इससे नई मजबूती मिलेगी।

निपुण शर्मा ने कहा कि यह बजट केवल आंकड़ों का संग्रह नहीं, बल्कि आने वाले 25 वर्षों के भारत का स्पष्ट रोडमैप है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह बजट देश को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाएगा।

एशिया व स्कूल नैशनल में मैडल लाने वाले खिलाड़ी मुस्कान और युवराज का सम्मान

स्कूल नैशनल में भाग लेकर लौटी फेंसिंग खिलाड़ी अगम्या डोगरा को भी गणमान्यों ने दिया आशीर्वाद

जनगाथा न्यूज/ होशियारपुर
रूपिंदर

खेलों में बढ़िया प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एम-फिट क्लब हैल्थ क्लब के डायरैक्टर विक्रम मोहन शर्मा (वीर) व उनकी टीम की तरफ से सम्मानित करने हेतु एक समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर बाक्सिंग में एशिया गोल्ड मैडलिस्ट मुस्कान झा एवं जूडो में नैशनल गोल्ड मैडलिस्ट युवराज ठाकुर के साथ-साथ नैशनल स्कूल गेम्स में भाग लेकर लौटी अगम्या डोगरा का सम्मान किया गया। इस अवसर पर नगर निगम के सेवानिवृत्त ज्वाइंट कमिशनर संदीप तिवारी, नगर सुधार ट्रस्ट के पूर्व चेयरमैन एडवोकेट राकेश मरवाहा तथा एचडीसीए सचिव डा. रमन घई ने विशेष तौर से पहुंचकर संयुक्त रुप से खिलाड़ियों को आशीर्वाद, शुभकामनाएं, स्मृति चिन्ह एवं नकद राशि भेंट करते हुए सम्मानित किया। इस मौके पर एडवोकेट राकेश मरवाहा एवं श्री तिवारी ने बच्चों की हौंसला अफजाई करते हुए कहा कि यह हमारे लिए गर्व की बात है कि

होशियारपुर जिला शिक्षा के क्षेत्र के साथ-साथ खेलों में भी नाम कमा रहा है तथा हमें अपने होनहार खिलाड़ियों पर पूरा मान है। उन्होंने खिलाड़ियों को भविष्य में और भी बेहतर खेल प्रदर्शन के लिए हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। इस अवसर पर डा. रमन घई ने कहा कि खेल और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करना भी पुण्य का कार्य है। क्योंकि, खेलों से जुड़कर ही बच्चे नशे व अन्य सामाजिक बुराईयों को दूर रह सकते हैं। उन्होंने बच्चों को अपनी तरफ से हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया तथा आशा प्रकट की कि वह भविष्य में होने वाले मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन करके जिला, माता-पिता एवं कोच का नाम रोशन करेंगे। इस मौके पर सभी का धन्यवाद करते हुए विक्रम मोहन शर्मा ने कहा कि उन्हें खुशी होती है कि बच्चे पढ़ाई के साथ खेलों में भी अपने कौशल का प्रदर्शन करके आगे बढ़ रहे हैं। उनका प्रयास रहता है कि समाज में कुछ अलग करने वाले बच्चों को समय-समय पर प्रोत्साहित किया जाए ताकि वह बेहतर समाज एवं देश के निर्माण में अपना योगदान डाल सकें। इस मौके पर अन्य के अलावा मुस्कान के पिता सुनील कुमार झा, युवराज के पिता लेक्चरर सुरजीत ठाकुर, संदीप कुमार सोनू एवं अध्यापक राजिंदर कुमार भी मौजूद थे तथा उन्होंने भी खिलाड़ियों को आशीर्वाद प्रदान किया।

गुरु रविदास के नाम पर आदमपुर एयरपोर्ट, वर्षों की मांग को मिली ऐतिहासिक मंज़िल : चब्बेवाल

जनगाथा न्यूज/होशियारपुर
हैप्पी कलेर

संत शिरोमणि गुरु रविदास के लाखों अनुयायियों की लंबे समय से चली आ रही मांग उस समय ऐतिहासिक पड़ाव पर पहुंच गई, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पंजाब में डेरा सचखंड बल्लां के दौरे के दौरान आदमपुर एयरपोर्ट का नाम गुरु रविदास के नाम पर रखने की घोषणा की। इस फैसले को गुरु रविदास की शिक्षाओं और विरासत को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिलने के रूप में देखा जा रहा है।

यह महत्वपूर्ण घोषणा उस मांग के कुछ महीने बाद सामने आई है, जिसे सांसद डॉ. राज कुमार चब्बेवाल ने संसद के पिछले सत्र में जीरो आवर के दौरान जोरदार तरीके से उठाया था। उन्होंने केंद्र सरकार से रविदासिया समुदाय की धार्मिक मान्यताओं और भावनाओं का सम्मान करते हुए आदमपुर एयरपोर्ट का नाम गुरु रविदास के नाम पर रखने की अपील की थी।

घोषणा पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सांसद डॉ. चब्बेवाल ने कहा

कि वह स्वयं को सौभाग्यशाली मानते हैं कि उन्हें इस पवित्र और भावनात्मक मुद्दे को हर उपलब्ध मंच पर उठाने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि उन्होंने सबसे पहले यह मामला विधायक रहते हुए पंजाब विधानसभा में उठाया था और बाद में सांसद के रूप में संसद में भी इसे प्रमुखता से रखा। आज इस मांग के पूरा होने से उन्हें अत्यंत प्रसन्नता और संतोष की अनुभूति हो रही है।

उन्होंने कहा कि इस फैसले से लाखों श्रद्धालुओं का विश्वास और आत्मबल और मजबूत हुआ है, जिनके लिए गुरु रविदास एक महान आध्यात्मिक मार्गदर्शक हैं। साथ ही उन्होंने पंजाब सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने भी गुरु रविदास के सम्मान में आदमपुर एयरपोर्ट का नाम बदलने के समर्थन में संसद को औपचारिक प्रस्ताव भेजा था।

उन्होंने कहा कि राज्य और केंद्र स्तर पर किए गए समन्वित प्रयासों के कारण ही यह ऐतिहासिक निर्णय संभव हो सका। इस फैसले का पूरे पंजाब सहित देश-विदेश में बसे रविदासिया समुदाय द्वारा व्यापक स्वागत किया जा रहा है, जो इसे गुरु रविदास की शिक्षाओं और सामाजिक समरसता के संदेश को मिली बड़ी पहचान के रूप में देख रहा है।

कोतवाली बाजार में गटर चैंबरों की तत्काल सफाई व गुणवत्तापूर्ण रिपेयर की मांग

जनगाथा न्यूज/होशियारपुर
रविंदर

कोतवाली बाजार में नगर निगम की ओर से करवाए जा रहे रिपेयर कार्य का निरीक्षण करते हुए बाजार प्रधान अशोक सूद हैप्पी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि रिपेयर कार्य में घटिया सामग्री किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि आए दिन सीवरेज चैंबरों पर लगे ढक्कन टूट जाते हैं, जिसकी शिकायत नगर निगम अधिकारियों को की गई थी, जिसके बाद फिलहाल रिपेयर कार्य शुरू करवाया गया है। अशोक सूद ने बताया कि उन्होंने निगम अधिकारियों और संबंधित ठेकेदार से बातचीत कर सख्त चेतावनी दी है कि यदि रिपेयर कार्य में गुणवत्ता से समझौता किया गया तो कोतवाली बाजार के दुकानदार संघर्ष का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे। उन्होंने अधिकारियों से मांग की कि बाजार के सभी गटर चैंबरों की जल्द से जल्द सफाई करवाई जाए, क्योंकि अधिकांश चैंबर मिट्टी और रेत से भरे पड़े हैं। उन्होंने कहा कि हल्की बारिश में ही चैंबर जाम हो जाते हैं और गंदा पानी सड़कों पर फैल जाता है, जिससे आम लोगों और दुकानदारों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इससे न केवल आवाजाही प्रभावित होती है, बल्कि बाजार के कामकाज पर भी बुरा असर पड़ता है।

इस मौके पर पूर्व पार्षद मदन लाल गांधी, पंडित नरोत्तम शर्मा, डॉ. भारत भूषण सूद, अंकित कुमरा, अंश भांवरी, संतीश गुप्ता, गुलशन बत्तरा, धरमिंदर गुप्ता, दिनेश गांधी, रिक्की मरवाहा, जतनेश मक्कड़, महिपाल सिंह, तरुण गोगिया, मिक्की वालिया, मुकेश शर्मा, विजय गोगिया, बंटी, वरुण, रघु नैय्यर, विशाल कपूर, रविंदरपाल सेठी, विकास शर्मा, विक्की मरवाहा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

बलूचिस्तान हमलों को लेकर पाकिस्तान ने भारत पर लगाया आरोप, भारतीय विदेश मंत्रालय ने दिया मुंहतोड़ जवाब

नई दिल्ली- बलूचिस्तान में हुए हालिया हमले को लेकर आतंक को पोषित करने वाले देश पाकिस्तान ने भारत पर आरोप लगाया। भारत ने पाकिस्तान को रविवार को मुंहतोड़ जवाब दिया है। भारत ने बलूचिस्तान में हमलों को लेकर नई दिल्ली के खिलाफ पाकिस्तान के हालिया बयान की आलोचना की और इसे बेबुनियाद और अपनी अंदरूनी कमियों से ध्यान हटाने के लिए इस्लामाबाद का आम तरीका बताया। विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तान को सलाह दी कि वह बेबुनियाद दावे करना बंद करे और इलाके के लोगों की मांगों को पूरा करने पर ध्यान दे। एमईए ने कहा, हम पाकिस्तान के बेबुनियाद आरोपों को पूरी तरह से खारिज करते हैं, जो उसकी अपनी अंदरूनी कमियों से ध्यान हटाने के उसके आम तरीके हैं। हर बार जब कोई हिंसक घटना होती है तो

बेबुनियाद दावे करने के बजाय, उसे इलाके के लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांगों को पूरा करने पर ध्यान देना चाहिए। दमन, क्रूरता और मानवाधिकारों के उल्लंघन का उसका रिकॉर्ड जगजाहिर है।

शनिवार को बलूचिस्तान में हमले की जानकारी सामने आई। पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने इन हमलों में भारत के शामिल होने का आरोप लगाया था। नवंबर 2022 में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) की पाक सरकार के साथ सीजफायर खत्म करने के बाद पाकिस्तान में आतंकवादी गतिविधियों में बढ़ोतरी देखी गई है। खासकर खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में हमलों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी देखी गई।

'विमान में बम है जो कभी भी फट सकता है', लेटर मिलने पर इंडिगो के विमान में मचा हड़कंप

नई दिल्ली- वाराणसी एयरपोर्ट पर रविवार शाम उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब इंडिगो एयरलाइंस के एक विमान में बम होने की सूचना मिली। हैदराबाद से वाराणसी आ रहे विमान में धमकी भरा पत्र मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां तुरंत अलर्ट हो गईं।

सूचना मिलते ही जैसे ही विमान ने बाबतपुर स्थित लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लैंडिंग की, सभी यात्रियों को एहतियातन सुरक्षित तरीके से विमान से बाहर निकाल लिया गया। इसके बाद विमान को रनवे से दूर एक सुरक्षित स्थान पर खड़ा कर सघन जांच शुरू की गई।

एयरपोर्ट अधिकारियों के अनुसार, विमान के हवा में रहते हुए क्रू मेंबर को पीछे के टॉयलेट में एक पत्र मिला, जिसमें लिखा था कि विमान संख्या 6ई-6719 में बम है, जो किसी भी समय फट सकता है। पत्र मिलते ही पायलट ने तत्काल वाराणसी एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को इसकी जानकारी दी। सुरक्षा एजेंसियों की त्वरित कार्रवाई धमकी की सूचना मिलते ही सीआईएसएफ, पुलिस, फायर ब्रिगेड और बम निरोधक दस्ते को अलर्ट किया गया। शहर से कई एंबुलेंस भी एयरपोर्ट पहुंचीं। विमान के लैंड करते ही यात्रियों को सुरक्षित क्षेत्र में ले जाया गया, जबकि विमान और यात्रियों के सामान की गहन तलाशी ली गई। इस घटना के चलते यात्रियों को लेने पहुंचे परिजनों में भी चिंता का माहौल देखा गया। हालांकि एयरपोर्ट प्रशासन ने स्थिति को तेजी से नियंत्रित करते हुए यात्रियों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराईं।

जांच में नहीं मिला कोई संदिग्ध सामान

करीब दो घंटे तक चली सघन जांच के बाद रात लगभग आठ बजे तक विमान में किसी भी प्रकार की संदिग्ध वस्तु नहीं मिलने की पुष्टि हुई, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियों और एयरपोर्ट अधिकारियों ने राहत की सांस ली। एहतियात के तौर पर एयरपोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त कर दिया गया है।

टी-20 वर्ल्ड कप में भारत-पाकिस्तान मैच नहीं होगा, पाकिस्तान सरकार का ऐलान

ICC ने कहा- PCB अपने फैसले पर फिर विचार करे

टी-20 वर्ल्ड कप में भारत और पाकिस्तान के बीच 15 फरवरी को मैच नहीं होगा। पाकिस्तान सरकार ने रविवार शाम को इस मैच के बॉयकॉट का ऐलान किया। दोनों टीमें ग्रुप स्टेज में कोलंबो में एक-दूसरे से भिड़ने वाली थीं। हालांकि, अब तक यह तय नहीं है अगर नॉकआउट में भारत सामने आया तो पाकिस्तान मैच खेलेगा या नहीं?

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने 24 जनवरी को बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट में एंट्री दी थी। ICC के इस फैसले के विरोध में पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ मैच का बॉयकॉट कर दिया। जिसके बाद ICC ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को अपने फैसले पर फिर से विचार करने के लिए कहा है।

टूर्नामेंट खेलेंगे, लेकिन भारत से मैच नहीं- पाकिस्तान सरकार

पाकिस्तान ने रविवार को घोषणा की कि वह टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में हिस्सा लेगा, लेकिन भारत के खिलाफ मैच का बॉयकॉट करेगा। पाकिस्तान सरकार ने यह फैसला इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल के बांग्लादेश को टूर्नामेंट से हटाने के बाद लिया। बांग्लादेश सरकार ने भारत में खेलने को लेकर सुरक्षा चिंता जताई थी। सरकार ने X पर एक पोस्ट में कहा, इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ पाकिस्तान की सरकार, पाकिस्तान क्रिकेट टीम को ICC वर्ल्ड T20 2026 में हिस्सा लेने की मंजूरी देती है। हालांकि, पाकिस्तान क्रिकेट टीम 15 फरवरी 2026 को भारत के खिलाफ होने वाले मैच में मैदान पर नहीं उतरेगी।

भारत तय समय पर श्रीलंका जाएगी

टी-20 वर्ल्ड कप को लेकर BCCI सूत्रों ने साफ किया है कि भारतीय टीम तय कार्यक्रम के अनुसार ही श्रीलंका दौरे पर जाएगी। टीम 15 फरवरी को श्रीलंका पहुंचेगी और ड्ढष्ट्ट के सभी प्रोटोकॉल का पूरी तरह पालन करेगी। हालांकि, मैच को लेकर अंतिम फैसला मैदान पर मौजूद मैच रेफरी द्वारा ही लिया जाएगा।

ग्रुप स्टेज में 3 ही मैच खेलेगा पाकिस्तान

बॉयकॉट के बाद पाकिस्तान और भारत की टीमें ग्रुप स्टेज में 3-3 मैच ही खेलेगी। पाकिस्तान 7 फरवरी को नीदरलैंड, 10 फरवरी को अमेरिका और 18 फरवरी को नामीबिया से भिड़ेगी। वहीं टीम इंडिया 7 फरवरी को अमेरिका, 12 फरवरी को नामीबिया और 18 फरवरी को नीदरलैंड से भिड़ने वाली है।

वर्ल्ड कप में भारत को सिर्फ एक मैच हरा सका है पाकिस्तान

टी-20 और वनडे वर्ल्ड कप में पाकिस्तान का भारत के खिलाफ रिकॉर्ड काफी खराब रहा है। टी-20 वर्ल्ड कप में दोनों टीमों के बीच अब तक 8 भिड़ंत हो चुकी है।

भारत ने 7 और पाकिस्तान ने सिर्फ 1 बार जीत हासिल की है। वनडे वर्ल्ड कप में दोनों के बीच अब तक हुए सभी 8 मैच भारत ने जीते हैं।

भारत-पाकिस्तान पर क्या होगा असर?

भारत और पाकिस्तान की टीमें वर्ल्ड कप के ग्रुप ए में है। चारों ग्रुप में 5-5 टीमें हैं, जिनमें से 2-2 टीमें सुपर-8 स्टेज में जाएंगी। पाकिस्तान के बायकॉट का मतलब यह होगा कि इस मैच के 2 पॉइंट्स भारत को मिल जाएंगे और भारत के सुपर-8 में पहुंचने की राह काफी आसान हो जाएगी।

ICC की प्लेइंग कंडीशन के मुताबिक बॉयकॉट करने से पाकिस्तान का रन रेट भी खराब होगा। वहीं भारत का रन रेट बेहतर हो जाएगा। 16.10.7 क्लॉज में बताया है कि पाकिस्तान के 20 ओवर में 0 रन होंगे। जबकि भारत का एक भी ओवर काउंट नहीं होगा। इससे पाकिस्तान का रन रेट निगेटिव में भी जा सकता है। ग्रुप-ए में भारत और पाकिस्तान के अलावा नामीबिया, नीदरलैंड और अमेरिका की टीमें हैं। पाकिस्तान बाकी मैचों में अच्छा प्रदर्शन कर इस स्थिति में भी सुपर-8 में पहुंच सकती है।

ICC को कितना नुकसान?

वर्ल्ड कप में भारत-पाकिस्तान मैच सबसे ज्यादा देखा जाने वाला मैच होता है। कई बार इस मैच की व्युअरशिप फाइनल से भी ज्यादा होती है। यह मैच न होने से सबसे ज्यादा नुकसान ब्रॉडकास्टर को होगा। ब्रॉडकास्टर पहले ही मैच के सारे विज्ञापन स्लॉट बेच चुके हैं। ICC को सीधा नुकसान नहीं है क्योंकि वह पहले ही मीडिया राइट्स बेच चुकी है। हालांकि, यह मैच न होने से ब्रॉडकास्टर ICC से नुकसान की भरपाई की मांग कर सकते हैं। अलग-अलग एनालिसिस के मुताबिक वर्ल्ड कप में एक भारत-पाकिस्तान मैच से होने वाली कमाई पूरे वर्ल्ड कप की कमाई का लगभग 8 से 10% तक होती है।

पहले सेमीफाइनल से बाहर, फिर भारत से जीता हुआ मैच हार गया पाकिस्तान, अंडर 19 वर्ल्ड कप में गजब बेइज्जती

आईसीसी अंडर 19 वर्ल्ड कप 2026 में चिर प्रतिद्वंदी भारत और पाकिस्तान बुलवायो के क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में एक दूसरे के आमने-सामने थे। 1 फरवरी को हुए इस मुकाबले में भारत की अंडर 19 टीम ने पाकिस्तान की अंडर 19 टीम को शानदार अंदाज में रौंदा। भारत ने पाकिस्तान को 58 रन से हराया। हालांकि, पाकिस्तान मैच खत्म होने से पहले ही सेमीफाइनल की रेस से बाहर हो गया था। भारत पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच गया था।

पाकिस्तान को 33.3 ओवर में चेज करना था टारगेट

पाकिस्तान को 253 रन का टारगेट 33.3 ओवर में चेज करना था। इसके बाद ही वे फाइनल तक पहुंच सकते थे। लेकिन, पाकिस्तान ऐसा करने में नाकाम रहा। हालांक, पाकिस्तान जीत की ओर तो बढ़ रहा था। 151 पर उनका तीसरा विकेट गिरा था। इसके बाद विकेटों की झड़ी लग गई और पूरी पाकिस्तानी टीम 198 रन के स्कोर पर ऑल आउट हो गई।

कुछ ऐसा रहा मैच का हाल

पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। भारतीय टीम पहले बैटिंग करते हुए 49.5 ओवर में 252 रन बनाकर ऑल आउट हो गई थी। वेदांत त्रिवेदी ने सर्वाधिक 68 रन बनाए थे। कनिष्क चौहान ने 35 तो वैभव सूर्यवंशी ने 30 रन बनाए थे। पाकिस्तान के लिए 3 विकेट अब्दुल सुभान ने लिए।2 विकेट मोहम्मद सय्यम ने लिए। 1-1 विकेट अली रजा, अहमद हुसैन, मोमिन कमर और अली हसन बलोच को भी मिला था।

भारतीय गेंदबाजों का दिखा जादू

पाकिस्तान ने अच्छी शुरुआत की थी। ऐसा लग रहा था कि पाकिस्तान आसानी से जीत दर्ज कर लेगा। फिर भारतीय गेंदबाजों ने जोरदार कमबैक किया और पाकिस्तान की बैटिंग लाइन अप की धज्जियां उड़ा दी। पाकिस्तान के आखिरी 7 विकेट सिर्फ 43 रन के अंदर-अंदर गिरे।

46.2 ओवर में पाकिस्तान 194 रन के स्कोर पर ऑल आउट हो गया। भारत के लिए 3-3 विकेट खिलन पटेल और आयुष म्हात्रे ने लिए। ने लिए। 1-1 विकेट आरएस एम्ब्रिश, हेनिल पटेल, कनिष्क चौहान और विहान मल्होत्रा को मिला।

घर की दीवार पर पीपल का निकलना शुभ या अशुभ?

पेड़-पौधों को न केवल भौगोलिक बल्कि धार्मिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जाता है। मान्यता है कि इन सभी में देवी-देवताओं का वास होता है, जिसके प्रभाव से हमारे आसपास सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है। नियमित रूप से पेड़-पौधों को पानी और उनकी उपासना करने से जीवन से नकारात्मकता दूर होती है। इसके अलावा व्यक्ति मानसिक रूप से भी शांति महसूस करता है। इनमें पीपल को अत्यंत पवित्र माना जाता है।

शास्त्रों की मानें तो इसमें भगवान विष्णु, शिव और ब्रह्मा का वास होता है। यदि विधि-विधान से इसे पानी दिया जाए, तो साधक के पापों का नाश होता है। परंतु कई बार घर की दीवारों पर पीपल निकल जाता है, जिसके अर्थ को लेकर मन में असमंजस बना रहता है। ऐसे में आइए इस लेख के माध्यम से जानते हैं कि घर की दीवारों पर पीपल का निकलना शुभ होता है या अशुभ।

घर की दीवारों पर पीपल का निकलना शुभ या अशुभ ?

वास्तु के अनुसार अगर घर की दीवार पर पीपल निकलता है, तो यह अशुभ होता है। इससे घर की सुख-समृद्धि प्रभावित होती हैं। मान्यता है कि इसके अशुभ प्रभाव से व्यक्ति को आर्थिक परेशानियां झेलनी पड़ सकती हैं। साथ ही बने बनाए काम भी बिगड़ सकते हैं।

धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक घर में अचानक पीपल के पेड़ का आना मुख्य रूप से नकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करता है, जिससे अक्सर तनाव बढ़ने लगता है। यही नहीं इससे परिवार के सदस्यों को स्वास्थ्य संबंधी परेशानी झेलनी पड़ सकती हैं।

घर की दीवार पर पीपल निकलने पर क्या करें ?

अगर घर की दीवारों पर पीपल निकल आया है, तो इसे काटने की भूल न करें। आप किसी अनुभवी माली को बुलाकर इसे हटा सकती हैं। इसके अलावा पेड़ के हट जाने के बाद उस स्थान की दरारों को सीमेंट से जरूर भर दें, अन्यथा इससे घर में नकारात्मकता आ सकती हैं। पूरे घर में गंगाजल जरूर छिड़कें। वहीं दीवारों पर पीपल निकल आने के बाद आप घर में नियमित रूप से पूजा-पाठ करें और कुछ शक्तिशाली मंत्रों का जाप करें। मान्यता है कि यह सरल उपाय सकारात्मकता का संचार करता है।

क्या है नीलकंठेश्वर मंदिर से जुड़ी मान्यताएं, जहां पट खुलते ही शिवलिंग पर चढ़ा मिलता है फूल

हिंदू धर्म में सावन का विशेष महत्व होता है। यह माह भगवान शिव की पूजा-अर्चना को समर्पित है। मान्यता है कि सावन में महाकाल की उपासना करने से साधक के बड़े से बड़े कष्ट दूर होते हैं। यही नहीं कर्ज, तनाव, रोग और कलह से भी मुक्ति मिलती हैं। शास्त्रों में भी इस माह की महिमा का उल्लेख है। यदि सावन में केवल जल से महादेव का जलाभिषेक किया जाए, तो प्रेम जीवन सुखमय और जीवन शातिपूर्ण बनता है। पौराणिक कथा के मुताबिक सावन माह में ही देवी पार्वती की तपस्या से प्रसन्न महादेव ने उन्हें पत्नी के रूप में स्वीकार किया था। इसलिए इस माह को भोलेनाथ की विशेष कृपा और प्रसन्न करने के लिए सबसे शुभ माना जाता है।

यही नहीं सावन के खास अवसर पर देशभर के शिव मंदिरों में शंकर जी की भव्य पूजा का आयोजन किया है। इन्हीं में से एक नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर, जो मध्य प्रदेश में स्थिति है। यहां दूर-दूर से लोग भोलेनाथ के दर्शन के लिए आते हैं। कहा जाता है कि मंदिर के पट खुलते ही शिवलिंग पर फूल चढ़ा मिलता है, आइए इससे जुड़ी मान्यताओं को जानते हैं।

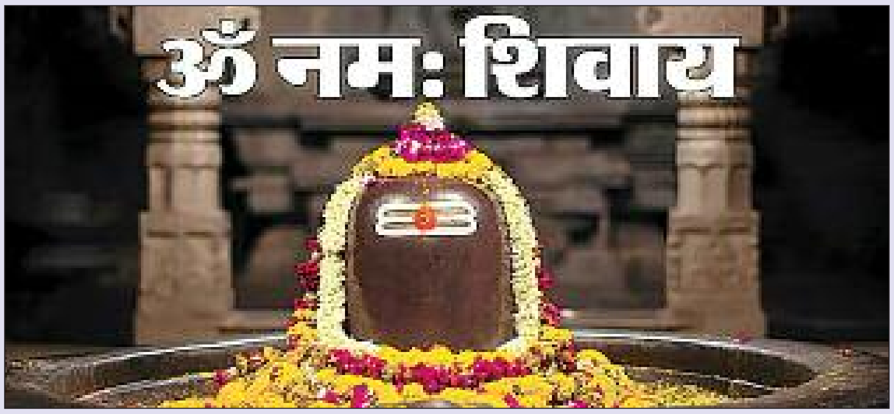

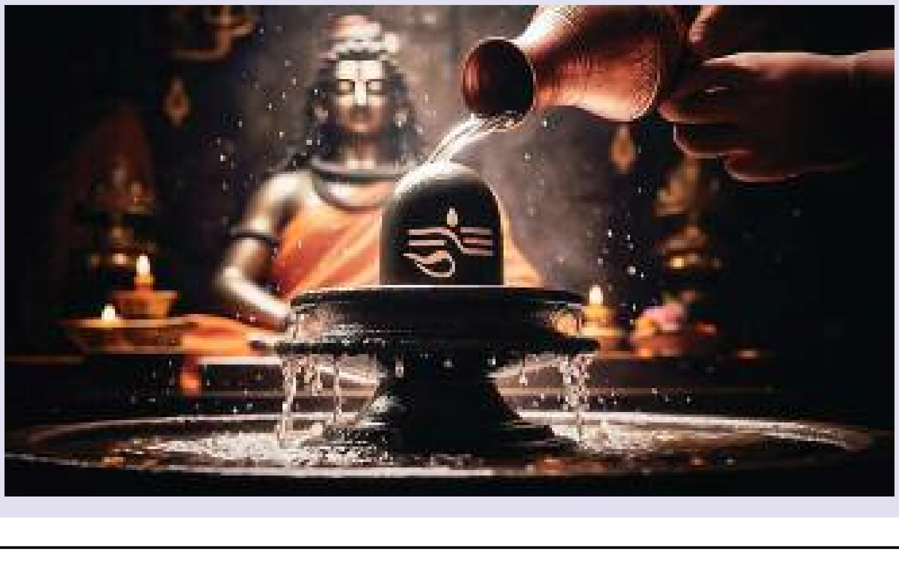

क्या है नीलकंठेश्वर मंदिर से जुड़ी मान्यताएं

नीलकंठेश्वर मंदिर महादेव को समर्पित है और इसकी गणना महाकाल के बड़े मंदिरों में होती हैं। यहां देश के कोने-कोने से लोग शिव दर्शन के लिए आते हैं और सुख-समृद्धि की कामना करते हुए शिव पूजन करते हैं। इस मंदिर को लेकर एक मान्यता है कि यहां जब सुबह मंदिर के पट खुलते हैं, तो शिवलिंग पर फूल चढ़ा हुआ मिलता है।

शिवलिंग पर फूल का मिलना आज तक रहस्य बना हुआ है। परंतु स्थानीय लोगों का मानना है कि बुन्देलखण्ड के सेनापति आल्हा और ऊदल महाकाल के अन्यय भक्त थे। इसलिए वह रोजाना रात को यहां आकर फूल रखकर जाते हैं।

वहीं नीलकंठेश्वर मंदिर में रात को जाना पूरी तरह से मना है।

इसके अलावा ये भी कहा जाता है कि भगवान भोलेनाथ के इस भव्य मंदिर को एक ही व्यक्ति द्वारा रातों-रात बनाया गया था। इस दौरान नीलकंठेश्वर मंदिर की दिवारों पर देखा जाता है कि यहां भगवान की प्रतिमाएं खंडित हैं, जिन्हें बुरी तरह क्षतिग्रस्त किया गया है। अनुमान लगाया जाता है कि मुगलों ने आक्रमण के दौरान इन सभी से छेड़खानी की होगी।

हमारे आस-पास माहौल बदल रहा है, नीयत अच्छी हो तो लोग आपसे जुड़ेंगे : प्रियंका चोपड़ा

प्रियंका चोपड़ा क्ल3I15I6: बॉलीवुड की 'देसी गर्ल' और ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा जोनस हमेशा नए रोल, नई कहानियों और दुनियाभर में नए दर्शकों से जुड़ने के लिए उत्सुक रहती हैं। हाल ही उन्होंने एक डॉक्यूमेंट्री 'बॉर्न हंग्री' प्रड्यूस की है। यह सैश सिम्पसन की दिल छू लेने वाली कहानी पर आधारित है। चेन्नई की सड़कों पर जिंदगी गुजारने वाले युवा सैश को कनाडा के एक कपल ने गोद लिया था, जिसके बाद उन्होंने पूरी दुनिया में एक मशहूर शेफ होने तक का सफर तय किया। खास बातचीत में प्रियंका ने बताया कि क्यों यह कहानी उन्हें इतनी गहराई से छू गई? कैसे अपनी पहचान की तलाश, जुड़ाव और उद्देश्य उनके अपने अनुभवों से मेल खाते हैं? और कैसे यह कहानी याद दिलाती है कि भूख चाहे असली हो या कुछ हासिल करने की, यह आपको जिंदगी में आगे बढ़ने और उद्देश्य हासिल करने में मदद करती है। पढ़िए, प्रियंका चोपड़ा का ये खास इंटरव्यू:

'बॉर्न हंग्री' बेहद निजी, भावनाओं से भरी और सबको प्रभावित करने वाली कहानी कहती है। इसमें आपको सबसे ज्यादा क्या भाया?

इस फिल्म की हर बात मेरे मन को छू गई। मैं फिल्म ही इसलिए बनाती हूं कि हम उन कहानियों को बता सकें जो पहचान की हकदार हैं। वो, जो दुनिया को प्रेरित करने वाली और हमारे प्रवासी समुदाय से जुड़ीं कहानियां हों। इंडिया में पली-बढ़ी होने और दुनियाभर में घूमने के दौरान, मैं बहुत सारे बच्चों से मिली हूं जिनकी कहानियों के कई हिस्से गायब हैं। वे यह सोचते रहते हैं कि उनके साथ क्या हुआ था। क्या उन्हें छोड़ दिया गया था, उनका अतीत क्या था, उनका भविष्य क्या होगा। मैं सैश की कहानी और इंडिया में परिवार को ढूंढने के उनके सफर से बहुत प्रभावित हुई थी। उन्हें अभी तक अपना परिवार नहीं मिला है। हम सचमुच उम्मीद कर रहे हैं कि इस फिल्म के माध्यम से, हम उनके जन्म देने वाले माता-पिता के बारे में कुछ और जानकारी प्राप्त कर सकते हैं ताकि उन्हें शांति और सुकून मिल सके।

फिल्ममेकर बैरी एवरेज के निर्देशन में बनी यह डॉक्यूमेंट्री पहचान, विस्थापन और अपनेपन के मुद्दों को छूती है। आप दुनियाभर में घूमी हैं, सात समंदर दूर नया करियर और मुकाम बनाया है, जबकि आप अपनी जड़ों से भी जुड़ी हुई हैं। क्या इस तरह के विषय आपकी निजी और प्रोफेशनल जिंदगी से मेल खाते हैं?

मैं खुद को बहुत घुमक्कड़ मानती हूं। जिस तरह मैं दुनियाभर में घूमी हूं, मैंने हर उस जगह अपना घर बनाया है, जहां मेरा काम और परिवार मुझे ले गए हैं। मेरा घर वहीं है, जहां मेरा परिवार है। कुछ चीजें हैं जो मुझे यह सोचने पर मजबूर करते हैं कि जैसी मेरी जिंदगी आज है, वह कैसे हुई। मेरा और सैश का शुरूआती जीवन बिल्कुल अलग है। लेकिन एक चीज जो मुझे एक जैसी लगती है, वह है किसी भी परिस्थिति में हम दोनों का ढलना और अपना बेस्ट वर्जन तलाशना। मैं कई बार उनके बचपन के बारे में सोचती हूं, जब वह रेलवे प्लेटफॉर्म्स पर खाना ढूंढने की कोशिश कर रहे थे और उनके साथ कोई नहीं था। यह सोचकर ही मेरी आंखों में आंसू आ जाते हैं कि दुनियाभर में उनके जैसे कितने बच्चे हैं। भारत में बड़ा होने की वजह से, हम ऐसी परिस्थितियों के प्रति असंवेदनशील हो जाते हैं। मैं ऐसी चीजों से हमेशा प्रभावित होती रही हूं और अब मां बनने के बाद इसे और ज्यादा महसूस करती हूं।

आज जिस हिसाब से डिजिटल प्लैटफॉर्म्स पर अलग-अलग जॉनर की डॉक्यूमेंट्रीज लोकप्रिय हो रही हैं, क्या आपको लगता है कि प्रमाणिक और प्रेरित कहानियां दर्शकों को खुद से जोड़ पाती हैं?

मैं सभी के लिए तो नहीं बता सकती। लेकिन मुझे सच्ची कहानियों के लिए एक विशेष लगाव है, चाहे वह किताबों में हो, फिल्म में हो या ड्रामा में हों। वास्तविक जीवन पर आधारित फिल्में मुझे प्रेरित करती हैं। अपने करियर में मुझे कुछ ऐसी फिल्मों में काम करने का सौभाग्य मिला जो सच्ची कहानियों पर आधारित थीं। मुझे लगता है कि इंसान और इंसानियत में कुछ तो खास बात है। जितनी मुझे इंसानियत वाली कहानियां पसंद हैं, उतनी ही मुझे हिम्मत दिखाने वाली कहानियां भी पसंद हैं। मैं आज चाहे जो भी हूं, मगर मैं अभी भी अपने बचपन के बारे में सोचती हूं, जब मैं बोर्डिंग स्कूल में थी और मेरे आस-पास कोई बड़ा नहीं था। मुझे वह एहसास याद आता है कि जब मैं दूसरी, तीसरी और चौथी क्लास में थी और सोचती थी कि मैं कौन हूं? तो हम सभी का अपना नजरिया होता है। मैं सिर्फ अपने प्रोफेशन के लिए ही नहीं, बल्कि अपनी जिंदगी में भी इंसानों में प्रेरणा खोजती हूं। मेरे लिए उन इंसानों से मिलना सबसे बड़ी खुशी है जिन्होंने दृढ़ता दिखाई, सबकुछ झेला और आगे बढ़ते रहे।

जैसे-जैसे भारत का सिनेमा रिएलिटी की ओर बढ़ रहा है, क्या आपको लगता है कि यहां के दर्शक बोल्ड और सच्ची कहानियां देखने के लिए तैयार हैं?

मुझे लगता है कि इंडियन सिनेमा विकसित हो रहा है और यह समझने की कोशिश कर रहा है कि यह बदलता माहौल कैसा बनेगा, फिर चाहे बात फिल्मों की हो या फिर ऑनलाइन कॉन्टेंट की। अब लोगों के पास मनोरंजन के कई विकल्प हैं। इसलिए, मुझे लगता है कि दुनियाभर में सिनेमा एक बदलाव से गुजर रहा है और अपनी दिशा पता लगाने की कोशिश कर रहा है। अगर आप बदलाव में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अक) भी शामिल कर लेते हैं, तो वह परिदृश्य और भी बदल जाएगा। फिल्ममेकर्स की ओर से कुछ बेहतरीन काम भी सामने आ रहे हैं। इन बेहतरीन कामों के पीछे, चाहे वह कॉमेडी, एक्शन, ड्रामा या डॉक्यूमेंट्री हो, उसके पीछे सच्ची कहानियां से प्रेरित कॉन्टेंट ही है। वे दिन चले गए जब आप कह सकते थे, 'अरे, अपना दिमाग घर पर छोड़ आओ।' लोग अब ऐसा नहीं करना चाहते। अब लोग ईमानदारी और सच्चाई की तलाश में हैं और सुधार जारी है।

हो सकता है कि आज लोगों के पास बहुत सारे विकल्प हैं, तो वे कुछ गंभीर और जमीन से जुड़ी चीजों के लिए सिनेमा की ओर रुख करते हों?

हां, शायद। हालांकि, कभी-कभी मुझे भी मनोरंजन पसंद है। जब मुझे मनोरंजन चाहिए होता है तो आप मुझे 'लव इज ब्लाइंड' या वैसी ही किसी चीज के कई सीजन निपटाते हुए देखेंगे। कभी-कभी मैं 'बॉर्न हंग्री' जैसी चीजें देखना चाहती हूं जो मुझे सच्चाई से वाकिफ करवाएं। इसलिए मुझे लगता है कि हमें अपने कॉन्टेंट को किसी दायरे में नहीं डालना चाहिए। हम एक बेहतरीन समय में जी रहे हैं, जहां हम कई तरह के जॉनर पर काम कर सकते हैं, हम किसी भी विषय पर कॉन्टेंट तैयार कर सकते हैं और उसके लिए दर्शक भी होंगे क्योंकि लगभग हर चीज के लिए एक जिज्ञासा है।

क्या आप कभी अपने अंदर उस तरह की भूख महसूस करती हैं, जिसके बारे में फिल्म में बात की गई है?

निश्चित रूप से आपने बहुत कुछ हासिल किया है, लेकिन इंसान हमेशा और ज्यादा की चाहत रखते हैं, है ना? मुझे लगता है कि हम सभी ऐसा करते हैं। चूंकि हम किसी इंसान के व्यक्तित्व का एक ही पहलू देखते हैं, तो हम कहते हैं कि अरे, उसे कर दिखाया। जबकि हर इंसान के कई पहलू और परतें होती हैं और हमारे अंदर हमेशा किसी चीज की भूख और लालसा बनी रहती है। इंसान से जुड़ा सबसे गहरा, सबसे छुपा राज चाहे कुछ भी हो, मुझे लगता है कि यह आपके अंदर की भूख ही है जो आपको कुछ बेहतर हासिल करने के लिए प्रेरित करती है और आपको एक उद्देश्य देती है। यह डॉक्यूमेंट्री आपको याद दिलाती है कि वह भूख चाहे वास्तविक हो प्रेरक, यह आपको उद्देश्य खोजने के लिए मजबूर करती है।

आप एसएस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' से भारतीय फिल्मों में वापसी कर रही हैं। क्या आपको बॉलीवुड के सेट पर मिलने वाली एनर्जी याद आती है?

जो चीज मुझे याद आती है, वह है भाषा। मुझे हिंदी और हिंदी में अपने फिल्मी डायलॉग बोलना सचमुच याद आता है। मुझे 'वाराणसी' के लिए तेलुगू में अपने डायलॉग करने में बहुत मजा आया। मुझे हमेशा से भाषाओं से लगाव रहा है और चाहे मैं भाषा समझूं या नहीं, मुझे सचमुच अलग-अलग संस्कृतियां पसंद हैं। मैं ऐसी चीज का हिस्सा बनने के लिए बहुत उत्साहित हूं जो सांस्कृतिक रूप से इतनी समृद्ध होने वाली है। राजामौली सर बहुत अनुशासित हैं और उनके पास एक बेहतरीन नजरिया है। मुझे इसी तरह काम करना पसंद है, क्योंकि मुझमें भी जबरदस्त अनुशासन है। साथ ही, इतने लंबे समय के बाद भारत वापस आना और एक भारतीय फिल्म पर काम करना बहुत मजेदार है।

मनोरंजन का परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। उस परिदृश्य में, क्या उन कहानियों में कोई बदलाव आया है जो आप कहना चाहती हैं?

हम सभी इस बात को समझने की कोशिश कर रहे हैं कि न केवल मनोरंजन उद्योग बदल रहा है, बल्कि हमारे आस-पास का पूरा माहौल ही बदल रहा है। तकनीक हमारे जीवन का एक बहुत बड़ा हिस्सा बन गई है और हमारे बच्चे ऐसी दुनिया में बड़े होने वाले हैं जो उस दुनिया से बहुत अलग है, जिसमें आप और हम बड़े हुए थे। तो अब इस बात का कोई तय फॉर्मूला नहीं है कि किस तरह का कॉन्टेंट लोगों को पसंद आएगा। लेकिन एक चीज जो दर्शकों को पसंद आती है, वह है सच्ची कहानियां और ईमानदारी। फिर चाहे वह सोशल मीडिया पर कंटेंट बनाना हो या फिल्म बनाना। अगर आप अच्छी नीयत से एक कहानी बता रहे हैं, तो वे आपसे जुड़ेंगे। मुझे सभी तरह की कहानियां पसंद हैं और मेरी सीमित समझ के मुताबिक, मुझे यही लगता है कि रिएलिटी पर आधारित कहानियां ही आगे पसंद की जाएंगी।

(सभार न.भ.ट से)